"इकाई - 1"
"b"

## वाणिज्य शिक्षण का अर्थ →

'Commerce' शब्द की उत्पत्ति लैटिन भाषा के 'Commercium' शब्द से मानी जाती है जिसका अर्थ है - क्रय - विक्रय की क्रिया (The activity of buying and selling especially on a large scale) । ब्रिटेनिका विश्वकोष के अनुसार वाणिज्य को विस्तृत तथा संक्षिप्त दोनो ही रूपो मे प्रयुक्त किया जाता है - वाणिज्य का अर्थ है - बड़े पैमाने पर वस्तुओ का आदान-प्रदान जिसमे विभिन्न दूरियो का परिवहन भी शामिल होता है। प्रायः वाणिज्य तथा व्यापार (Trade) को विनिमय के सन्दर्भ मे एक ही अर्थ मे प्रयुक्त किया जाता है, परन्तु वाणिज्य व्यापार या मुक्त उपक्रम मे उन क्रियाओ पर अधिक बल देता है जिनमे लाभ तथा जोखिम उठाने की क्रियाएँ महत्वपूर्ण स्थान रखती है। ट्रेड (Trade) अर्थात् व्यापार सेवाओ के भौतिक चरित्र पर बल देता है।

प्रायः व्यक्ति 'Business' शब्द को वाणिज्य के पर्यायवाची के रूप मे प्रयुक्त करते है। ऑक्सफोर्ड सन्दर्भ शब्दकोष के अनुसार 'Business' (व्यवसाय) व्यक्ति का नियमित (regular) पेशा या व्यवसाय होता है जबकि वाणिज्य Commerce मे बड़े पैमाने पर क्रय विक्रय की क्रिया निहित होती है। ~~वाणिज्य~~ वाणिज्य के अर्थ को और अधिक स्पष्ट करने के लिए स्टीफेन्सन की परिभाषा दी जा रही है—

स्टीफेन्सन के अनुसार, " वाणिज्य वस्तुओं

प्राचार्य
...रियल महाविद्यालय
...वं प्रशिक्षण संस्थान
...पुर, ताखा, बलिया

के आदान-प्रदान से सम्बन्धित है। इसके अन्तर्गत वस्तुओं के क्रय-विक्रय जो कि किसी भी स्तर पर हो या कच्चे माल से निर्मित वस्तु तक की सभी प्रगतियां आ जाती हैं, जब तक कि वह उपभोक्ता के हाथों में न पहुँच जाये। इसके अन्तर्गत केवल क्रय-विक्रय कार्य तथा वस्तुओं का रख-रखाव ही नहीं आता वरन् अनेक सेवाएँ यथा - पूँजी, बीमा, भण्डारण, परिवहन आदि सभी कुछ आ जाते हैं।"

① टीवे एवं हरबर्ट के अनुसार, "वाणिज्य आर्थिक ढाँचे का वह पहलू है, जो व्यवसाय और औद्योगिक उत्पादन के प्रबन्ध एवं वितरण से सम्बन्धित है और इस प्रकार वह सम्पूर्ण आर्थिक ढाँचे को समन्वय करने वाला अनिवार्य तत्व है।"

② हैरिक के शब्दों में, "वाणिज्य शिक्षा शिक्षण का वह रूप है जो प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से व्यापारी को उसके कार्यों के लिए तैयार करे।"

③ लॉग के मतानुसार "वह शिक्षा जो व्यापारी के पास है और जो उसको अधिक सफल एवं उपयुक्त व्यापारी बनाती है उसके लिए वाणिज्य शिक्षा है, चाहे वह विद्यालय की चहारदीवारी में प्राप्त की गई हो या नहीं।

④ लोसेक्स के अनुसार, "वाणिज्य शिक्षा मुख्यतः आर्थिक शिक्षा का कार्यक्रम है जो धन की प्राप्ति संचय तथा उसको व्यय करने से सम्बन्धित है।"

मीरा मेमोरियल महाविद्यालय

अन्त मे हम कह सकते है कि वाणिज्य एक व्यापक अर्थ वाला शब्द है जिसमें व्यापार व व्यापार की सहायक क्रियाएँ - परिवहन, बैंकिंग, बीमा, सन्देशवाहन के साधन आदि शामिल होते है। इसलिए व्यापार को सम्भव बनाने वाली क्रियाओं को पृथक - पृथक् रूप में प्रस्तुत करने के बजाए उनको 'वाणिज्य शब्द' मे समाहित मान लिया जाता है।

प्राचार्य
मीरा [illegible] महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

वाणिज्य शिक्षण के क्षेत्र →

वाणिज्य मे उन कार्यो का अध्ययन किया जाता है जिनके करने से मानव का कल्याण हो सके। इन कार्यो का विधिवत् अध्ययन करना ही वाणिज्य का क्षेत्र है। वाणिज्य के क्षेत्र निम्न लिखित है।

आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए व्यापारिक क्रियाएँ →
आदिकाल में मनुष्य की आवश्यकताएँ कम थी। वह उनको स्वयं पूरी कर लेता था। इस कारण वह यह युग स्वावलम्बन का युग कहलाता है, परन्तु जैसे - जैसे मनुष्य की आवश्यकताएँ (इच्छाएँ) बढती गई वैसे-वैसे दूसरे लोगो के पास जाने लगा और आदान - प्रदान की प्रक्रिया को जन्म मिला। जो व्यक्ति यह पता लगाते है कि किस देश के पास किस वस्तु का अभाव है और किस वस्तु की अधिकता है, उसे हम व्यापारी कहते है। व्यापारी के कार्यो को व्यापार के नाम से पुकारा जाता है।

व्यापार का प्रमुख कार्य क्रय - विक्रय द्वारा अभाव और अधिकता में सन्तुलन स्थापित करना है। वह इस कार्य को मात्र देश में ही नहीं करता वरन् विदेशों में भी फैलता है। व्यापार का रूप अन्तर्राष्ट्रीय हो गया है। फलस्वरूप वाणिज्य का क्षेत्र भी व्यापक हो गया है।

यातायात व सन्देशवाहन के साधन →

मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति स्थान की दूरी हमारे समक्ष बाधा के रूप में आती है। उद्योग के विकास के लिए बहुत-सी वस्तुओं को दूसरे स्थानों से उपलब्ध किया जाता है अतः अभाव तथा आधिक्य के सन्तुलन तथा स्थानों की दूरी को कम करने के लिए यातायात सन्देशवाहन के साधनों का आविष्कार किया गया। इन आविष्कारों ने विश्व को एक सूत्र में बाँधने के लिए कदम उठाये हैं। साथ ही दूरियों को कम करके राष्ट्रों को एक-दूसरे के निकट ला दिया है। यातायात के जल, थल व वायु के विभिन्न साधनों ने व्यापार में अत्यन्त महत्वपूर्ण योग दिया है। ये विभिन्न साधन वाणिज्य के क्षेत्र के महत्वपूर्ण अंग हैं।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

बीमा व्यवस्था का विकास →

व्यापार में विभिन्न जोखिमें आती हैं। इस बात की सम्भावना रहती है कि सामान से लदा हुआ जहाज डूब जाए या गोदाम

दूक मार्ग मे टकराकर नष्ट - भ्रष्ट हो जाए। इस प्रकार मनुष्य और उसकी सम्पत्ति का काल अनिश्चित है। इन जोखिमों से रक्षा प्राप्त करने के लिए बीमा प्रणाली का जन्म हुआ। बीमा के तीन प्रमुख रूप है - ① जीवन - बीमा ② अग्नि बीमा और ③ सामुद्रिक बीमा - यह वाणिज्य के महत्वपूर्ण अंग है।

वाणिज्य शिक्षण की आवश्यकता →

वाणिज्य शिक्षण मे आवश्यकता निम्नलिखित है।

वाणिज्य शिक्षा की आवश्यकता →

व्यापार प्रणाली मे जो आश्चर्यजनक उन्नति हुई तथा हो रही है उसने व्यापारिक संसार मे हलचल मचा दी है। देश को सफल व्यापारियों की आवश्यकता है। यह केवल व्यापारिक शिक्षा के द्वारा ही सम्भव है। नवयुवकों को आधुनिक प्रणाली और यन्त्र का अध्ययन अवश्य करना चाहिए।

अन्तर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण से ~~आवश्यक~~ आवश्यक →

आज के युग मे जो देश जिस वस्तु के उत्पादन मे अधिक कुशल होता है वह उसी वस्तु के उत्पादन पर अधिक ध्यान देता है। इस देश की उत्पादन लागत अन्य देशों की अपेक्षा कम होती है। इस प्रकार वह देश अन्य देशो की अपेक्षा अपना माल कम मूल्य पर बेच सकता है। वाणिज्य शिक्षा के द्वारा ही किसी देश के निवासियों को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार करने के लिए प्रोत्साहन मिलता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

इस प्रकार वे देश के प्राकृतिक साधनों का अधिकतम उपयोग करके केवल अपना ही नहीं वरन् दूसरों का जीवन भी सुखमय बना सकते है। अत: वाणिज्य शिक्षा अति आवश्यक है।

वाणिज्य शिक्षण के लक्ष्य →

वाणिज्य शिक्षा का आधुनिक समाज मे अत्यधिक महत्व है। भारत जैसे विकासशील देश मे इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है। अत: विद्यालयो मे वाणिज्य की शिक्षा देना अति आवश्यक है, क्योंकि यह शिक्षा निम्नलिखित लक्ष्यों की ~~प्राप्ती~~ प्राप्ति मे सहायक है —

(1) साधारण चातुर्य का विकास → वाणिज्य शिक्षा बालकों के साधारण चातुर्य का विकास करती है एक बालक को दैनिक जीवन मे बहुत से कार्य करने होते है। यदि बालक को वाणिज्य का ज्ञान नहीं है तो वह अपने दैनिक जीवन के कार्यो को सफलतापूर्वक नही कर सकता। आय - व्यय का लेखा रखना, अपने सीमित धन से अधिकतम उपयोगिता प्राप्त करना, बाजार और उसमें होने वाले सौदे आदि का अध्ययन करना, वाणिज्य शिक्षा के अन्तर्गत आता है। वाणिज्य शिक्षा के द्वारा बालक उचित सौदे कर सकते है मांग और पूर्ति के नियम (Law of Demand and Supply) के अनुसार वे अपनी आवश्यकताओं पर नियन्त्रण रख सकते है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

② सेवा और नम्रता की भावना का विकास →
वाणिज्य शिक्षा के द्वारा बालकों मे नम्रता और सेवाभाव के गुण विकसित किये जाते है। एक सफल व्यापारी सदैव नम्र तथा मृदुभाषी होगा। वह नम्र और मृदुभाषी होकर ही ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। अशिष्ट व्यापारियो के पास ग्राहक फिर दोबारा नही जाना चाहता है। वाणिज्य शिक्षा फिर बालकों को धैर्यवान् बनाती है। वह उन्हें सहिष्णुता सिखाती है। अत्यधिक कार्य मे व्यस्त होने पर भी व्यापारी संयम से काम लेता है। दूसरों के कटुवचन सुनने पर भी व्यापारी मुस्कराता रहता है। व्यापारी हानी उठाने पर भी धैर्य नही खोता है। वाणिज्य शिक्षा बालकों को आशावादी, विनम्र, मृदुभाषी तथा धैर्यवान् बनाती है और उनको ग्राहको के प्रति सेवाभाव तथा नम्रता का व्यवहार करना सिखाती है।

③ कुशल श्रमिक प्रदान करना → वाणिज्य शिक्षा बालको को कुशल श्रमिक बनने मे सहायता प्रदान करती है। यह सिखाती है कि किस प्रकार बालक अधिक से अधिक मजदूरी प्राप्त कर सकते है। वे किस प्रकार कुशल श्रमिक हो सकते है। बालक अपने भावी जीवन मे किस प्रकार अपने अधिकारो की रक्षा कर सकते है। कुशल श्रमिक देश की उत्पादन शक्ति बढ़ाने में सहयोग प्रदान करते हैं। अतः वाणिज्य शिक्षा देश को कुशल श्रमिक प्रदान करके उसकी उत्पादन शक्ति को बढ़ाने में सहायता देती है।

मीरा गेमोरि... महाविद्यालय

(4) कुशल व्यापारी तैयार करना → आज के बालक है वे कल के नागरिक है वे कल व्यापारी, उत्पादक और पूंजीपति बन सकते हैं। उन्हें कुशल व्यापारी बनाना वाणिज्य शिक्षा का ही कार्य है। आज हमारा देश नाजुक दौर से गुजर रहा है। पंचवर्षीय योजनाओ के द्वारा व्यापार और कृषि में उन्नति हो रही है। वाणिज्य शिक्षा द्वारा ही बालक भारत के चतुर्मुखी विकास में सहयोग दे सकते हैं। यह हमें सिखाता है कि पूंजी होने पर कौन ~~कौन~~ -सा व्यापार करना चाहिए। ~~और~~ कौन - सी वस्तुएँ आयात और निर्यात करनी चाहिए। इस प्रकार वाणिज्य शिक्षा बालकों को चतुर व्यापारी ~~बनाना~~ बनने मे सहायता प्रदान करती है।

वाणिज्य शिक्षण का उद्देश्य →

वाणिज्य शिक्षण का निम्नलिखित उद्देश्य है

(1) ~~छात्रों~~ छात्रों को वाणिज्यशास्त्र के सामान्य नियमो का ज्ञान कराना, जिससे वे व्यावसायिक समस्याओ के सुलझाने मे उनका उपयोग कर सकें।

(2) छात्रों मे आर्थिक ~~नागरिकता~~ नागरिकता (Economic Citizenship) का विकास करना जिससे वे उत्तरदायित्व की भावना से कार्य कर सके।

(3) छात्रो को राष्ट्र की औद्योगिक एवं व्यापारिक उन्नति के हेतु अभीष्ट उपायों से परिचित कराना।

(4) छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना, जिससे वे प्रत्येक तथ्य का उचित रूप से अनुसरण कर सकें।

प्राचार्य
मा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया 26/08/2[illegible]

④ कुशल व्यापारी तैयार करना → आज के बाल[illegible] है वे कल के नागरि[illegible] है वे कल व्यापारी, उत्पादक और पूंजीप[illegible] बन सकते हैं। उन्हें कुशल व्यापारी बना[illegible] वाणिज्य शिक्षा का ही कार्य है। आ[illegible] हमारा देश नाजुक दौर से गुजर रहा [illegible] पंचवर्षीय योजनाओं के द्वारा व्यापार [illegible] कृषि में उन्नति हो रही है। वाणि[illegible] शिक्षा द्वारा ही बालक भारत के चतुर्मु[illegible] विकास में सहयोग दे सकते हैं। यह हमें सिखाता है कि पूंजी होने पर कौन कौन-सा व्यापार करना चाहिए। और कौन-सी वस्तुएँ आयात और नि[illegible] करनी चाहिए। इस प्रकार वाणिज्य शिक्षा बालकों को चतुर व्यापारी बनाने में सहायता प्रदान करती है।

वाणिज्य शिक्षण का उद्देश्य →

वाणिज्य शिक्षण का निम्नलिखित उद्देश्य है

① छात्रों को वाणिज्यशास्त्र के सामान्य नियमों का ज्ञान कराना, जिससे वे व्यावसायिक समस्याओं के सुलझाने में उनका उपयोग कर सकें।

② छात्रों में आर्थिक ~~नागरिकता~~ नागरिकता (Economic Citizenship) का विकास करना जिसके उत्तरदायित्व की भावना से कार्य कर सकें।

③ छात्रों को राष्ट्र की औद्योगिक एवं व्यापारि[illegible] उन्नति के हेतु अभीष्ट उपायों से परिचि[illegible] कराना।

④ छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करना, जिनसे वे प्रत्येक तथ्य का उचित रूप से अनुसरण कर सकें।

प्राचार्य
[illegible] मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान 26/08/2[illegible]
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया